स्वतंत्रता दिवस विशेष

सच को समर्पित समाचार पत्रिका

1 सितंबर 2025, मूल्य ₹ 50

आउटलुक

www.outlookhindi.com

पूरे पचास साल

आजादी के 78वें वर्ष में पचास साल बाद 1975 के उन मील के पत्थरों की याद, जिनसे देश-दुनिया हमेशा के लिए बदल गई

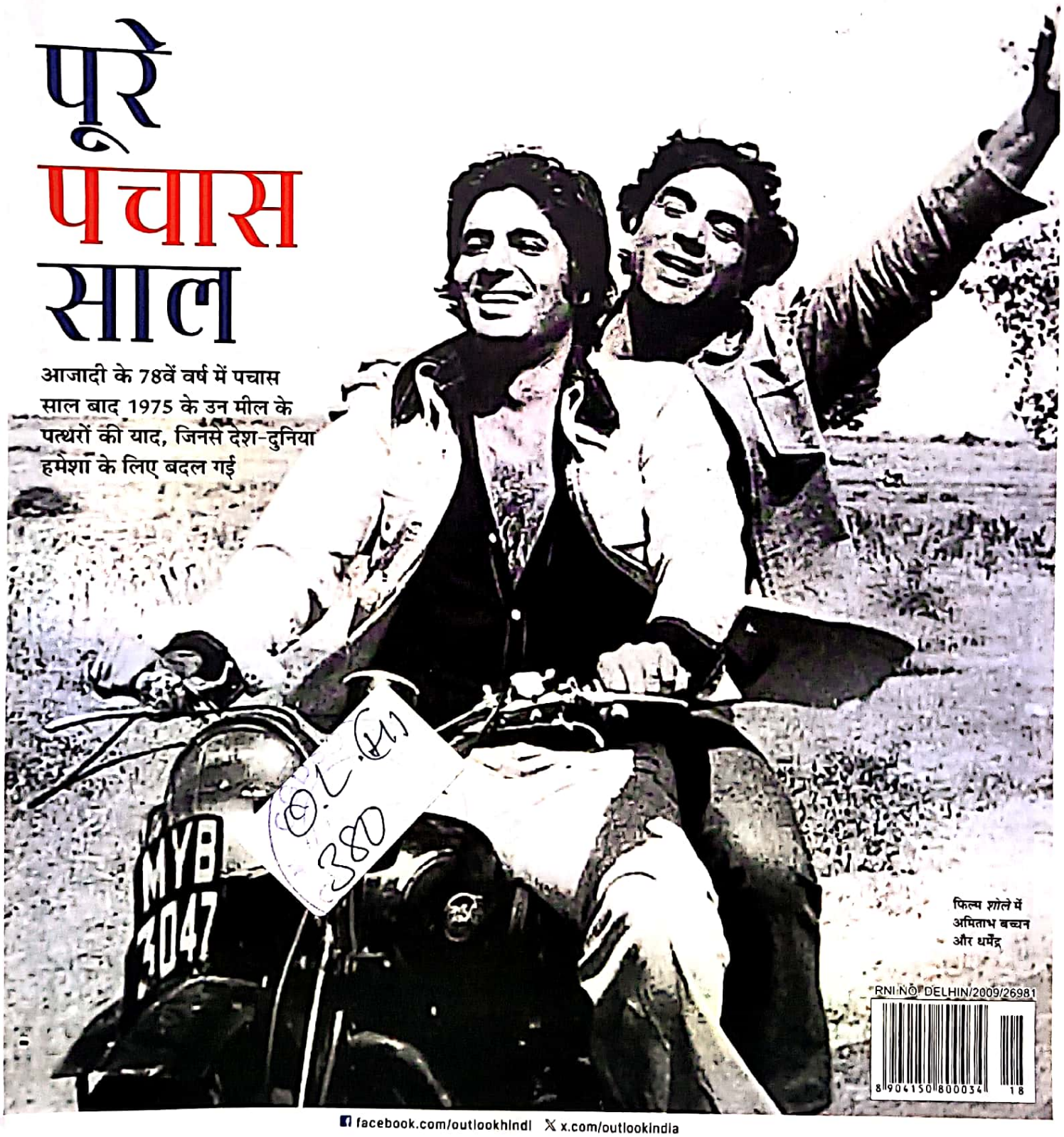

फिल्म *शोले* में अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र

RNI NO. DELHIN/2009/26981

facebook.com/outlookhindi x.com/outlookindia

Scanned with CamScanner

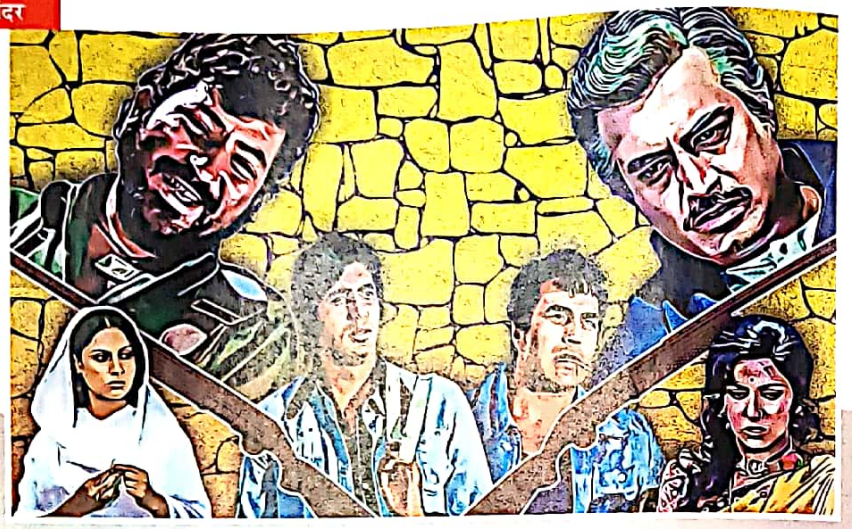

14 | पचहत्तर के पदचिन्ह

आजादी के 78 वर्षों में शायद 1975 इकलौता वर्ष है, जिसमें ऐसे घटनाक्रमों की फेहरिस्त है, जिनसे देश और दुनिया की तस्वीर बदल गई। सिनेमा से लेकर राजनीति, विज्ञान की मिसालों पर एक नजर

16 *शोले:* कैसे बदला परदा

28 नजरिया: विनोद नागर

30 अन्य घटनाएं: बदली तस्वीर

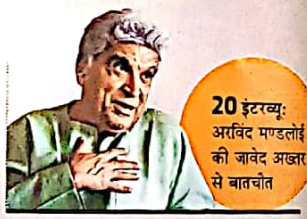

20 इंटरव्यू: अरविंद मण्डलोई की जावेद अख्तर से बातचीत

10 राजनीति: नई बिसात

12 कूटनीति: ट्रम्प का झटका

42 क्रिकेट: जादुई सिराज

आउटलुक

वर्ष 17, अंक 18

संपादक: गिरिधर झा
एडिटोरियल कंसल्टेंट: हरिमोहन मिश्र
वरिष्ठ सहायक संपादक: आकांक्षा पारे काशिव
वेब टीम: उपासना पांडेय, राजीव नयन चतुर्वेदी, मनीष पांडेय, मंथन रस्तोगी
डिजाइन: रोहित कुमार राय, (सीनियर डिजाइनर) रजीत सिंह (विजुअलाइजर)
फोटो संकलन: त्रिभुवन तिवारी (डिप्टी फोटो संपादक), संदीपन चटर्जी, सुरेश कुमार पांडे (स्टाफ फोटोग्राफर)

बिजनेस कार्यालय:
चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर: इंद्रनील रॉय
प्रकाशक: संदीप कुमार घोष
डायरेक्टर ब्रांड ऐंड मार्केटिंग: श्रुतिका दीवान
सीनियर जनरल मैनेजर: देववाणी टैगोर, शैलेन्द्र वोहरा
सर्कुलेशन ऐंड सब्सक्रिप्शन: गगन कोहली, जी. रमेश (साउथ), कपिल दत्त (नार्थ), अरुण कुमार झा (ईस्ट), मनोज कावले (वेस्ट)

प्रोडक्शन:
जनरल मैनेजर: शशांक दीक्षित
मैनेजर: सुधा शर्मा, गौरव श्रीवास (एसोसिएट मैनेजर), गणेश साह (डिप्टी मैनेजर)
अकाउंट:
वाइस प्रेसिडेंट: दीवान सिंह बिष्ट
हेड, सेल्स ऑपरेशंस: मनीषा मिश्रा
कंपनी सेक्रेटरी एवं लॉ ऑफिसर: अंकित मंगल
प्रधान कार्यालय: ए.बी.-10 सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029
संपादकीय कार्यालय: ए.बी.-10 सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029

संपादकीय ईमेल
edithindi@outlookindia.com
ग्राहकों के लिए संपर्क: 9266855837/9266855636
कार्यालय समय: सुबह 10 से शाम 6 बजे तक
yourhelpline@outlookindia.com
संपादक: गिरिधर झा
आउटलुक पब्लिशिंग (इंडिया) प्रा.लि. की तरफ से इंद्रनील रॉय द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित। एमपी प्रिंटर्स (ए यूनिट ऑफ डी.बी. कॉर्प. लिमिटेड), बी-220/223, इंडस्ट्रीयल एरिया, फेज 2 नोएडा, यूपी से मुद्रित और ए.बी.-10 सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली से प्रकाशित।

18 अगस्त से 31 अगस्त 2025 के लिए प्रकाशित   कुल पृष्ठ संख्या 52 कवर सहित

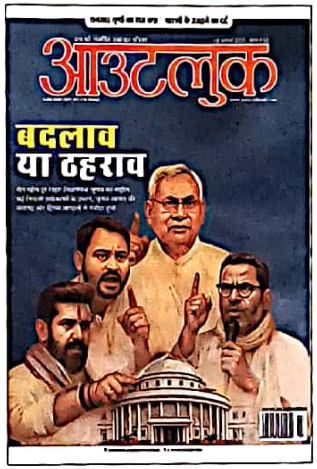

मुद्दा विकास हो

आउटलुक के 18 अगस्त के अंक में, 'क्या है बिहार मॉडल' समीक्षावादी विश्लेषण था। देश का शायद ही कोई ऐसा राज्य या शहर होगा जहां बिहार का व्यक्ति न हो। बिहार के लोगों से दूसरे राज्यों के शहर भरे हुए हैं। हकीकत यह है कि बिहार के गांव खाली पड़े हैं। बिहार के लोगों के समर्पण, मेहनत से दूसरे राज्य के शहर चमक रहे हैं। देश के सभी राज्यों के विकास में उनका योगदान अहम है। लेकिन यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि बिहार के लोगों के साथ दूसरी जगहों पर भेदभाव होता है। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में भी देश में सबसे पिछड़े राज्यों में एक है। स्वास्थ्य सेवाओं का भी यहां बुरा हाल है। इस बार का बिहार विधानसभा चुनाव बिहार के लिए टर्निंग पॉइंट साबित होगा। इस बार युवा अपने वोट का प्रयोग धर्म-जाति पर न कर विकास के मुद्दे पर करें।

विजय किशोर तिवारी | नई दिल्ली

परिवर्तन का चुनाव

18 अगस्त के अंक में, 'वाम वोटों में इजाफा होगा?' अच्छा लेख है। इस लेख में बिहार विधानसभा चुनाव से संबंधित पूरा लेखा-जोखा सामने है। माले के उत्थान ने बिहार की मौजूदा राजनीति में खलबली पैदा कर दी है। दीपांकर भट्टाचार्य से ज्यादा जन सुराज पार्टी की मीडिया में चर्चा रहती है, जिसका चुनाव में कितना आधार है, यह भी स्पष्ट होना बाकी है। माले के लोग थोड़ी और मेहनत कर लें, तो वे लोग बिहार की किस्मत संवार सकते हैं। भाजपा और राजद ही मुख्य दल हैं, जो इस बार पूरा खेल खेलेंगे। नीतीश का यह आखिरी चुनाव हो सकता है, क्योंकि भाजपा ने अभी तक उन्हें मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किया है। चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने की विवादास्पद मुहिम चल रही है, जिसका विपक्ष विरोध कर रहा है जबकि कायदे से उसे चुनाव आयोग को पर्याप्त समय लेकर राष्ट्रीय स्तर पर निष्पक्ष ढंग से करना चाहिए। भाजपा अपना दांव चल रही है कि किसी सवर्ण को मुख्यमंत्री बनाएगी, यदि उसे अपना मुख्यमंत्री बनाने का मौका मिला तो। यह चुनाव बिहार की राजनीति में परिवर्तन लाकर इस राज्य की किस्मत को बदल देगा ऐसी उम्मीद की जा सकती है।

यशवंत पाल सिंह | वाराणसी, उत्तर प्रदेश

पद की गरिमा

18 अगस्त के अंक में, 'धन(उ)खड़ क्यों गए' लेख पढ़कर लगा कि देश के उपराष्ट्रपति जहां स्पष्ट विचारों और मुखर वक्तव्यों के लिए जाने जाते थे वहीं दूसरी ओर उनकी कार्यशैली को लेकर विपक्ष की आलोचना भी याद आती है। वे पारंपरिक उपराष्ट्रपतियों से भिन्न थे। उनके इस्तीफे को व्यक्ति केंद्रित न रखकर संस्थागत परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है। धनखड़ का इस्तीफा हमारी संवैधानिक संस्थाओं की कमजोर कार्यप्रणाली को दर्शाता है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संवैधानिक पदों की गरिमा बनी रहे।

शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी | फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश

चुनौतियां कई

18 अगस्त के अंक में, 'नीतीश की चुनौतियां' बिहार के बारे में अच्छा लेख है। उसमें ठीक लिखा है कि मतदाता सूची के आधार पर नहीं यह चुनाव जनता की अदालत में लड़ा जाएगा। मतदाता सूची में नई या पुरानी होने से बहुत फर्क नहीं पड़ता। बिहार में हमेशा से ही सबसे बड़ा मुद्दा बिहार में बिगड़ती कानून-व्यवस्था रहा है। इस बार भी ठीक चुनाव से पहले राजधानी पटना सहित कई जगहों पर हत्याएं हुई हैं। कानून व्यवस्था लगता है बिलकुल चौपट हो गई है, बिहार में न लोग घर में सुरक्षित हैं न अस्पताल में। हथियारबंद लोग अस्पताल में ऐसे पहुंच गए, जैसे कहीं बगीचे में घूमने जा रहे हों। जादू-टोना की अफवाह के चलते पूरा परिवार जिंदा जला दिया जाता है। किसी को न डर है, न कोई रोकटोक। ऐसा रहा तो भगवान ही मालिक है।

सत्यभामा अवस्थी | झांसी, उत्तर प्रदेश

चिराग की चुनौती

18 अगस्त के अंक में, 'नीतीश की चुनौतियां', नीतीश कुमार और उनकी सरकार का बहुत अच्छे से लेखाजोखा प्रस्तुत करती है। नीतीश को टेलीविजन पर देख कर ही लगता है कि वे अपनी सुधबुध खो बैठे हैं। ऐसे में मुश्किल है कि वे इस बार चुनाव में कोई सक्रिय भूमिका निभा पाएं। यह निश्चित तौर पर उनका आखिरी चुनाव होना चाहिए। वे सरकार चलाने में अक्षम साबित हो रहे हैं। उनकी पार्टी के लोग कितना भी कहते रहें कि अगली सरकार भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बनेगी, लेकिन इसकी सच्चाई सभी लोग जानते हैं। अगर नीतीश चुनाव में अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं ला पाते हैं, तो उसका बड़ा नुकसान भाजपा को होगा। नीतीश ने काम पर ठीक से ध्यान ही नहीं दिया वरना कानून-व्यवस्था इतनी न बिगड़ती। चुनाव से ठीक पहले ऐसी घटनाएं कहीं से भी पार्टी के हित में नहीं जाती हैं।

एस.के.जाधव | उज्जैन, मध्य प्रदेश

आउटलुक पत्रिका प्राप्त करने के स्थान

दक्षिण: हैदराबाद उशमान बुक स्टोल, 9912850566, **सिकंदराबाद** साईं बाबा मैग्जीन स्टोर, 9949891356

उत्तर: दिल्ली - दिल्ली मैग्जीन डिस्ट्रिब्यूटर्स प्रा.लिमिटेड, 011-41561060 **लखनऊ** - सुभाष पुस्तक भंडार प्रा. लिमिटेड, 9839022871, **चंडीगढ़** - पुरी न्यूज एजेंसी, 9888057364, **देहरादून**- आदित्य न्यूज एजेंसी, 9412349259, **भोपाल**- इंडियन न्यूज एजेंसी, 9826313349, **रायपुर**- मुकुंद पारेख न्यूज एजेंसी, 9827145302, **जयपुर**-नवरत्न बुक सेलर, 9829373912, **जम्मू**- प्रीमियर न्यूज एजेंसी, 9419109550, **श्रीनगर**- जेपी न्यूज एजेंसी, 9419066192, **दुर्ग (छत्तीसगढ़)** - खेमका न्यूज एजेंसी, 9329023923

पूर्व: पटना- ईस्टर्न न्यूज एजेंसी, 9334115121, **बरौनी** -ज्योति कुमार दत्ता न्यूजपेपर एजेंट, 9431211440, **कोलकाता**- अर्भी साहा, 8961066724/9830389342, **रांची**- मॉडर्न न्यूज एजेंसी, 9835329939, ज्ञान भारती, 9835196111, **जमशेदपुर**-प्रसाद मैग्जीन सेंटर, 2420086, **बोकारो**-त्रिलोकी सिंह, 9334911785, **भुवनेश्वर**-ए. के. नायक, 9861046179, **गुवाहाटी**- दुर्गा न्यूज एजेंसीज, 9435049511

पश्चिम: नागपुर-नेशनल बुक सेंटर, 8007290786, पाठक ब्रदर्स, 9823125806, **नासिक**- पाठक ब्रदर्स, 0253-2506898, **पुणे**- वीर न्यूज एजेंसी, 9422034176, **अहमदाबाद**-के वी अजमेरा एंड संस, 079-25510360/25503836, **मुंबई**- दंगत न्यूज एजेंसी, 22017494

Scanned with CamScanner